आर्गनाइजेशन हैं, वे विभाजनकारी नागलिम का समर्थन कर रहे हैं, यह सरकार जानती है और यह होम मिनिस्ट्री की रिपोर्ट में आता है। मॉइकल स्काट ने 1964 में यह समझौता किया था, जो वहां के पादरी थे। चर्च वहां की समस्या की जड़ में है। यूरोपियन संघ से सबसे ज्यादा मदद वहां चर्च के संगठनों को मिलती है। अब वे नागालैंड में जाकर केवल उनसे मिलते हैं और भारत सरकार का गृह मंत्रालय किसी राजनैतिक पार्टी का गृह प्रकोष्ठ नहीं, सरकार का गृह मंत्रालय आपत्ति करता है, वे वहां पर क्यों गये, क्या करने के लिए वहां पर गये? उपसभाध्यक्ष महोदय, अब वे अरुणाचल प्रदेश जा रहे हैं।

हम मांग करते हैं कि सरकार इसके बारे में स्पष्टीकरण दे कि विदेशी राजदूतों को क्यों वहां पर इस तरह से भेजा गया? वे वहां क्या करने गये थे? वहां पर भारत के नागरिक नहीं जा सकते हैं। वहां पर इनर लाइन परमिट के बिना मैं नहीं जा सकता।

उपसभाध्यक्ष (प्रो. पी.जे. कुरियन) : टाइम ओवर प्लीज़।

श्री तरुण विजय : वहां पर जाने की बहुत जटिल प्रक्रिया होती है। यह visa जैसा लगता है।

श्री थावर चन्द गहलोत (मध्य प्रदेश) : महोदय, मैं इससे आपको सम्बद्ध करता हूं।

श्री प्रकाश जावडेकर (महाराष्ट्र) : महोदय, मैं इससे अपने आपको सम्बद्ध करता हूं।

श्री ओम प्रकाश माथुर (राजस्थान) : महोदय, मैं इससे अपने आपको सम्बद्ध करता हूं।

कुछ माननीय सदस्य : महोदय, हम इससे अपने आपको सम्बद्ध करते हैं।

THE VICE-CHAIRMAN (PROF. P.J. KURIEN) : Time over. Time over. Time over. Time over. ...(*Interruptions*)... All the names associating should be added ...(*Interruptions*)... Next, Shri Ram Vilas Paswan. ...(*Interruptions*)... All those names will be added.

Incident of throwing out of two students from a running train in Gujarat

श्री रामविलास पासवान (बिहार) : उपसभाध्यक्ष महोदय, देश के हर नागरिक को यह अधिकार है कि वह देश के किसी भी भाग में जाकर रोजगार हासिल कर सकता है, लेकिन ऐसा देखने में आ रहा है कि आज देश के विभिन्न भागों में गरीब लोग रोजगार पाने के लिए जाते हैं, उनके ऊपर जुल्म और अत्याचार हो रहे हैं।

सर, मैं आपका ध्यान एक दर्दनाक घटना की ओर आकृष्ट करना चाहता हूं। दिनांक 13.05.2012 को रविवार के दिन, बिहार के छात्र राजीव महतो और राकेश महतो, गुजरात के रेलवे विभाग में चतुर्थ श्रेणी की नौकरी हेतु इंटरव्यू देने के लिए गए थे। जब वे लड़के इंटरव्यू देकर वापस लौट रहे थे तो गुजरात के कैनिज और महमदाबाद रेलवे स्टेशन के बीच तीन-चार लोगों ने आकर उनसे पूछा और उसके बाद उनका मोबाइल छीन लिया। जब उन्होंने विरोध किया तो चलती ट्रेन से उनको नीचे फैंक दिया। राजीव महतो की, जिसकी उम्र 25 वर्ष थी, तत्काल मृत्यु हो गई और दूसरा लड़का राकेश महतो अस्पताल में भर्ती है और पता नहीं उसकी क्या हालत है। नाडियाड रेलवे पुलिस ने इस घटना की FIR दर्ज की है। मैं समझता हूं कि देश में जो इस तरह की घटनाएं हो रही हैं, ये देश की एकता और अखंडता के लिए बहुत ही खतरनाक हैं। आज देश में इस तरह की ताकतें उभर रही हैं, जो सहनशीलता को बढ़ावा न देकर, बिखरावाद को बढ़ावा देने का काम कर रही हैं, इसलिए सरकार को इस तरह की चीजों को गंभीरता से लेना चाहिए।

[श्री रामविलास पासवान]

मैं सरकार से मांग करता हूं कि भारत सरकार इस संबंध में गुजरात की सरकार से रिपोर्ट मंगाए कि इस घटना में कितने लोगों का हाथ है। इस संबंध में PTI की रिपोर्ट के माध्यम से *हिन्दू* अखबार में विस्तृत रिपोर्ट छपी है। मैं यह जानना चाहता हूं कि कितने लोगों को गिरफ्तार किया गया, किसके खिलाफ क्या कार्यवाही की गई, राज्य सरकार ने कितना मुजावजा दिया या केन्द्र सरकार कितना मुजावजा दे रही है? जो गरीब लोग रोजगार पाने के लिए गए थे, उनके लिए सरकार क्या व्यवस्था करने जा रही है? मैं समझा हूं कि यह बहुत ही दर्दनाक घटना है। मैं केन्द्र सरकार से मांग करता हूं, यहां पर नेता प्रतिपक्ष भी बैठे हुए हैं, उनसे भी अनुरोध है कि गुजरात की सरकार मृतक के परिवार को बीस लाख का मुआवजा दे और सरकारी नौकरी भी दे। इस संबंध में केन्द्र सरकार राज्य सरकार से रिपोर्ट ले और जो भी राज्य सरकार द्वारा कार्यवाही की गई है, उसकी जानकारी दे।

श्री तारिक अनवर (महाराष्ट्र) : महोदय, माननीय सदस्य ने जो विषय उठाया है, मैं अपने को उससे सम्बद्ध करता हूं।

श्री ईश्वर सिंह (हरियाणा) : महोदय, माननीय सदस्य ने जो विषय उठाया है, मैं अपने को उससे सम्बद्ध करता हूं।

श्री रामचन्द्र खूंटिआ (ओडिशा) : महोदय, माननीय सदस्य ने जो विषय उठाया है, मैं अपने को उससे सम्बद्ध करता हूं।

श्री राम कृपाल यादव (बिहार) : महोदय, माननीय सदस्य ने जो विषय उठाया है, मैं अपने को उससे सम्बद्ध करता हूं।

श्री आनंद भास्कर रापोलू (आन्ध्र प्रदेश) : महोदय, माननीय सदस्य ने जो विषय उठाया है, मैं अपने को उससे सम्बद्ध करता हूं।

THE VICE-CHAIRMAN (PROF. P.J. KURIEN) : Time over. ...(*Interruptions*)... All the names of supporting Members will be added. ...(*Interruptions*)... Names will be added. All supporting should be noted. Next, Shrimati Kanimozhi. Yes, support from all sections of the House. Yes, Shrimati Kanimozhi.

श्री राम कृपाल यादव : सर, मैंने चेयरमैन साहब ने परमिशन ली थी इसलिए मुझे एक मिनट के लिए बोलने दिया जाए।

THE VICE-CHAIRMAN (PROF. P.J. KURIEN) : Your name is there for associating. No, no, Mr. Yadav, please sit down. Not possible. Not possible. Not allowed.

श्री राम कृपाल यादव : सर, जैसी आपकी राय।

THE VICE-CHAIRMAN (PROF. P.J. KURIEN) : Thank you. At least, you conceded. So, Shrimati Kanimozhi.

Delay in Maduravoyal-Chennai port elevated expressway project

SHRIMATI KANIMOZHI (Tamil Nadu) : Thank you, Sir. I would like to bring to the notice of this House regarding Maduravoyal-Chennai Port elevated expressway